

मान सिंह – आमेर के राजा, अकबर के प्रमुख सेनापति, जिन्होंने मुगलों के लिए बंगाल और दक्कन में सैन्य अभियान का नेतृत्व किया।

टोडरमल – अकबर के नवरत्नों में से एक और वित्त मंत्री, जिन्होंने दशाला प्रणाली लागू कर मुगल कर प्रणाली को सुदृढ़ किया।

- ✓ यमन, सुपंदी, जिउती – ये अमीर खुसरो द्वारा रचित नए राग थे, जिनमें भारतीय और फारसी संगीत का मिश्रण था। ये हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के विकास में महत्वपूर्ण रहे।
- ✓ कव्वाली और गज़ल – अमीर खुसरो ने कव्वाली शैली को लोकप्रिय बनाया, जो सूफी भक्ति संगीत का हिस्सा बनी। उन्होंने गज़ल को भी नई पहचान दी, जिसमें प्रेम और अध्यात्म का मिश्रण था।
- ✓ सितार – कहा जाता है कि उन्होंने भारतीय वीणा और फारसी तनबूर को मिलाकर सितार का प्रारंभिक स्वरूप विकसित किया, जिससे भारतीय शास्त्रीय संगीत समृद्ध हुआ।
- ✓ नूह सिपहर – अमीर खुसरो द्वारा लिखित फारसी ग्रंथ, जिसमें तत्कालीन समाज, संस्कृति और राजनीति का विवरण मिलता है।
- ✓ दीवान-ए-गुरुरत-उल-कमाल – उनका एक प्रसिद्ध काव्य संग्रह, जिसमें फारसी कविता की उत्कृष्ट रचनाएँ शामिल हैं।
- ✓ हिंदवी दोहे व पहेलियाँ – अमीर खुसरो ने पहली बार हिंदवी भाषा में दोहे, पहेलियाँ और गद्य लिखा, जिससे हिंदी-उर्दू भाषा का विकास हुआ।
- ✓ खज़ाइन-उल-फुतूह – इसे 'विजयों का खज़ाना' भी कहते हैं, जिसमें उन्होंने अलाउद्दीन खिलजी के अभियानों और नीतियों का विस्तार से वर्णन किया है।
- ✓ तारीख-ए-अलाई – इस ग्रंथ में अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल, उसकी युद्ध नीति और प्रशासन का विस्तृत विवरण है।

◆ महत्वपूर्ण शब्दावली एवं संक्षिप्त व्याख्या

✓ सूरत (मुख्य बंदरगाह) – गुजरात का यह बंदरगाह मुगलों के दौरान सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था, जहाँ से यूरोपीय और एशियाई देशों से व्यापार होता था। इसे "भारत का प्रवेशद्वार" कहा जाता था।

✓ मछलीपट्टनम – आंध्र प्रदेश स्थित यह बंदरगाह विशेष रूप से मसालों और वस्त्र व्यापार के लिए प्रसिद्ध था। डच और ब्रिटिश व्यापारियों का यहाँ बड़ा प्रभाव था।

✓ हुगली – बंगाल में स्थित यह बंदरगाह मुगल काल में यूरोपीय व्यापारियों, विशेष रूप से पुर्तगालियों और ब्रिटिशों का प्रमुख व्यापारिक केंद्र था।

✓ नील – यह एक प्रमुख कृषि उपज थी, जिसका उपयोग वस्त्रों को रंगने के लिए किया जाता था। 17वीं शताब्दी में मुगल भारत से यूरोप को बड़े पैमाने पर निर्यात किया जाता था।

✓ शोरा – यह एक महत्वपूर्ण खनिज पदार्थ (पोटेशियम नाइट्रेट) था, जिसका उपयोग बारूद और औषधियों में किया जाता था। मुगलों ने इसे बड़ी मात्रा में निर्यात किया।

✓ फरमान – मुगल शासकों द्वारा जारी किए गए शाही आदेश, जिनमें व्यापारिक विशेषाधिकार भी दिए जाते थे। अंग्रेजों को जहाँगीर और औरंगजेब ने कर-मुक्त व्यापार के लिए फरमान जारी किए।

✓ सीमा शुल्क (2.5%-5%) – भारतीय व्यापारियों से वसूला जाने वाला कर, जिसे मुगलों ने अपने व्यापारिक राजस्व को बनाए रखने के लिए लागू किया था।

✓ कारवां – थल मार्गों से व्यापार करने वाले व्यापारी समूह, जो ऊँटों, घोड़ों और बैलगाड़ियों से यात्रा करते थे। ये मुख्य रूप से सिल्क रूट और ग्रैंड ट्रंक रोड जैसे मार्गों पर चलते थे।

✓ स्पेन-पुर्तगाल से चांदी का प्रवाह – मुगल काल में भारत के निर्यात की भरपाई के लिए स्पेन और पुर्तगाल से भारी मात्रा में चांदी आती थी, जिससे भारत की मुद्रा व्यवस्था मज़बूत बनी।

✓ मुगल नौसेना की कमजोरी – मुगल साम्राज्य ने थल-सेना पर अधिक ध्यान दिया, जिससे समुद्री मार्गों पर यूरोपीय शक्तियाँ हावी हो गईं। पुर्तगाली, डच, ब्रिटिश और फ्रांसीसी व्यापारियों ने इसका लाभ उठाया और भारतीय समुद्री व्यापार पर नियंत्रण कर लिया।

✓ औपनिवेशिक शोषण – मुगल शासन की गिरावट के बाद यूरोपीय शक्तियों ने भारत के व्यापार पर कब्जा कर लिया और धीरे-धीरे इसे अपने आर्थिक हितों के लिए इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, जिससे भारत की आर्थिक निर्भरता बढ़ी और ब्रिटिश उपनिवेशवाद मजबूत हुआ।

महत्वपूर्ण व्यक्ति (सत्यापित तथ्य)

कबीर (15वीं सदी) – निर्गुण भक्ति संत, जिन्होंने हिंदू-मुस्लिम कट्टरता का विरोध किया।

उदाहरण: "अल्लाह-राम का नाम जप, करम बिना कुछ नहीं।"

गुरु नानक (1469-1539) – सिख धर्म के संस्थापक, जिन्होंने एक ईश्वर, जाति-विहीन समाज और सेवा पर बल दिया। स्थान: पंजाब

मीरा बाई (16वीं सदी) – कृष्ण भक्त संत, जिन्होंने सामाजिक बंधनों को तोड़कर भक्ति मार्ग अपनाया। स्थान: राजस्थान

तुलसीदास (1532-1623) – रामचरितमानस के रचयिता, जिन्होंने संस्कृत के बजाय अवधी में रामकथा लिखी। स्थान: वाराणसी

रविदास (15वीं-16वीं सदी) – संत कवि, जिन्होंने समानता और प्रेम का संदेश दिया। स्थान: वाराणसी

अमीर खुसरो (1253-1325) – सूफी कवि और संगीतकार, जिन्हें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत व कव्वाली की नींव रखने का श्रेय दिया जाता है। स्थान: दिल्ली

बुल्ले शाह (1680-1757) – पंजाबी सूफी संत, जिन्होंने मानवता और प्रेम को सर्वोच्च बताया। स्थान: पंजाब

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (1142-1236) – चिश्ती सिलसिले के प्रमुख सूफी संत, जिन्होंने प्रेम और सेवा का संदेश दिया। स्थान: अजमेर

महत्वपूर्ण स्थान (सत्यापित तथ्य)

अजमेर शरीफ दरगाह – ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की समाधि, सूफी परंपरा का प्रमुख केंद्र।

स्थान: राजस्थान

वाराणसी – भक्ति आंदोलन का प्रमुख केंद्र, जहाँ तुलसीदास, कबीर, रविदास आदि ने भक्ति प्रचार किया।

पंजाब – गुरु नानक और बुल्ले शाह का कार्यक्षेत्र, जहाँ सिख धर्म और सूफी मत का प्रसार हुआ।

वृंदावन – कृष्ण भक्ति का प्रमुख केंद्र, जहाँ मीरा बाई और अन्य भक्तों ने साधना की।

दिल्ली – सूफी संतों, विशेष रूप से अमीर खुसरो और निज़ामुद्दीन औलिया का केंद्र।

महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ (सत्यापित तथ्य)

निर्गुण भक्ति – ईश्वर को निराकार मानने वाली भक्ति धारा। उदाहरण: कबीर, गुरु नानक, दादू

सगुण भक्ति – ईश्वर को साकार रूप में पूजने वाली भक्ति धारा। उदाहरण: तुलसीदास, सूरदास, मीरा बाई

सूफी सिलसिला – सूफी संतों के विभिन्न पंथ। उदाहरण: चिश्ती, सुहरवर्दी, कादिरि, नक्शबंदी

दरगाह – सूफी संतों की समाधि स्थल, जहाँ अनुयायी श्रद्धा प्रकट करते हैं। उदाहरण: अजमेर शरीफ, निज़ामुद्दीन दरगाह

भजन-कीर्तन – भक्ति आंदोलन में ईश्वर की स्तुति के लिए गाए जाने वाले गीत। उदाहरण: मीरा बाई के पद, सूरदास के भजन

कव्वाली – सूफी संगीत शैली, जो ईश्वरीय प्रेम और भक्ति को दर्शाती है। उदाहरण: अमीर खुसरो द्वारा रचित कव्वालियाँ

### 1. महत्वपूर्ण व्यक्ति (स्थान सहित)

रज़िया सुल्तान (1236-1240) – दिल्ली सल्तनत की पहली महिला शासक। (स्थान: दिल्ली)

नूरजहाँ (1577-1645) – जहाँगीर की पत्नी, जिन्होंने मुगल प्रशासन और व्यापार में प्रभावी भूमिका निभाई। (स्थान: लाहौर, आगरा)

रानी दुर्गावती (1524-1564) – गोंडवाना की शासक, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ वीरतापूर्वक युद्ध किया। (स्थान: जबलपुर, गोंडवाना)

चाँद बीबी (1550-1599) – अहमदनगर की रानी, जिन्होंने अकबर की सेना से अपने राज्य की रक्षा की। (स्थान: अहमदनगर, बीजापुर)

अहिल्याबाई होल्कर (1725-1795) – इंदौर की शासक, जिन्होंने प्रशासन, मंदिर निर्माण और समाज सुधार में योगदान दिया। (स्थान: इंदौर, महेश्वर)

मीरा बाई (1498-1547) – कृष्ण भक्ति की प्रमुख संत, जिन्होंने सामाजिक बंधनों को तोड़कर आध्यात्मिक स्वतंत्रता अपनाई। (स्थान: कुंभलगढ़, वृंदावन, द्वारका)

जहाँआरा बेगम (1614-1681) – शाहजहाँ की बेटी, जिन्होंने व्यापार और साहित्य में योगदान दिया। (स्थान: दिल्ली, आगरा)

जेबुन्निसा बेगम (1638-1702) – औरंगजेब की बेटी, जिन्होंने इस्लामी साहित्य और काव्य में योगदान दिया। (स्थान: दिल्ली, दौलताबाद)

### 3. महत्वपूर्ण सामाजिक प्रथाएँ

सती प्रथा – पति की मृत्यु के बाद पत्नी को आत्मदाह करना, जिसे मुगल और ब्रिटिश काल में हतोत्साहित किया गया।

पर्दा प्रथा – मुस्लिम शासन के दौरान महिलाओं को सार्वजनिक जीवन से अलग रखने की प्रथा।

बाल विवाह – समाज में लड़कियों की कम उम्र में शादी कर दी जाती थी।

देवदासी प्रथा – महिलाओं को मंदिरों से जोड़ा जाता था, पर बाद में यह शोषण का कारण बनी।